बिहार सरकार

कृषि विभाग

किसान भाईयों एवं बहनों से अपील

सामान्यतया यह देखा जा रहा है कि किसान भाई/बहन फसलों के अवशेष (पुआल, भूसा आदि) को खेतों में जला देते हैं। ऐसा करने से मिट्टी पर निम्नलिखित बुरा प्रभाव पड़ता है :-

- फसल अवशेषों को जलाने से मिट्टी का तापमान बढ़ता है जिसके कारण मिट्टी में उपलब्ध जैविक कार्बन जो पहले से ही हमारी मिट्टी में कम है और भी जल कर नष्ट हो जाता है। फलस्वरूप मिट्टी की उर्वराशक्ति कम हो जाती है।
- फसल अवशेषों को जलाने से मिट्टी का तापमान बढने के कारण मिट्टी में उपलब्ध सूक्ष्म जीवाणु, केंचुआ आदि मर जाते हैं। इनके मिट्टी में रहने से ही मिट्टी "जीवन्त" कहलाता है। अवशेषों को जलाने से हम मिट्टी को "मरनासन्न" अवस्था की ओर ले जा रहे हैं।
- जमीन के लिए जरूरी पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।
- अवशेष को जलाने से मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी हो जाती है, जिसके कारण उत्पादन घटता है।
- फसल अवशेषों को जलाने से वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड (CO_2) की मात्रा बढ़ती है, जिसके कारण वातावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन में हम भागीदार हो रहे हैं।

फसल अवशेष जो जलायें । पर्यावरण, उर्वरा, उत्पादकता खोयें ।।

अतः आप किसान भाईयों एवं बहनों से अपील है कि

- यदि धान की कटनी हार्वेस्टर से की गई हो तो खेत में फसलों के अवशेष पुआल, भूसा आदि को जलाने के बदले खेत की सफाई हेतु बेलर मशीन का प्रयोग करें तथा हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई करें।
- अपने फसल के अवशेषों को खेतों में जलाने के बदले वर्मी कम्पोस्ट बनाने, मिट्टी में मिलाने, पलवार विधि (Mulching) से खेती आदि में व्यवहार कर मिट्टी को बचायें तथा संधारणीय कृषि पद्धति में

SIZE 400 SQ CM COLOUR
DOP-24.11.2017
RO NO-9659 DT-23.11.2017
DAINIK JAGRAN, PATNA+MUZ+BHAGALPUR
PRABHAT KHABAR, PATNA+MUZ+BHAGALPUR
DAINIK BHASKAR, PATNA
QT, PATNA